19-09-2019

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में साइंटिफिक सोसाइटी की ओर से वार्षिक समारोह साइंसिया का आयोजन

# पानी की बचत बता अंशू की टीम बनी विजेता

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

चीनी मिलों में वाटरकूल कंडेंशर का प्रयोग किया जाता है। अगर इसके स्थान पर एयरकूल्ड कंडेंशर का प्रयोग हो और प्रोसेसिंग में रिवर्स ऑसमॉसेस प्रक्रिया का प्रयोग किया जाए। इससे स्वच्छ पानी की बचत होगी और गंदा पानी भी कम निकलेगा। यह बताकर छात्र अंशू सिंह और उनकी टीम विजेता बनी।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में साइंटिफिक सोसाइटी की ओर से वार्षिक समारोह साइंसिया का आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम के सलाहकार डॉ. राजपाल सिंह व संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने किया।

एनएसआई में विजेताओं को पुरस्कृत करते डॉक्टर आरपी सिंह व निदेशक।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में चार टीम हुगोट, होनिंग, पेरी और ट्रोम्प ने हिस्सा लिया। इस टीम में गुणवत्ता नियंत्रण व पर्यावरण विज्ञान के राजेश कुमार शामिल थे। वहीं चीनी उद्योग की आर्थिक स्थिरता विषय पर आयोजित प्रजेंटेशन प्रतियोगिता में शुगर टेक द्वितीय वर्ष के छात्र अमित कुमार गुप्ता, शुगर इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष के छात्र अंकुर वर्मा, शुगर इंजीनियरिंग द्वितीय वर्ष के छात्र मयूर रामचंद्र, एल्कोहल टेक प्रथम वर्ष की शालिनी गुप्ता विजेता बना। सभी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

# 'नेचुरल रिसोर्सेस का यूज कम से कम होना चाहिए'

KANPUR (18 Sept): शुगर प्रोसेसिंग में पानी की खपत कम करने के लिए वाटर कूल्ड कंडेसर की जगह एयर कूल्ड कंडेसर का यूज इंडस्ट्री को करना चाहिए. अब ऐसी टेक्नोलॉजी पर फोकस किया जा रहा जिसमें पॉल्यूशन कम हो और नेचुरल रिसोर्सेस का यूज भी कम से कम किया जाए. यह जानकारी नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट में आयोजित शुगरथॉन कॉम्पटीशन में एक्सपर्ट ने व्यक्त किए. एनएसआई के डायरेक्टर प्रो. नरेन्द्र मोहन अग्रवाल ने कहा कि स्टूडेंट्स ने शुगर इंडस्ट्री में प्रोसेसिंग का सिस्टम बदलने वाले इनोवेटिव आइडियाज शेयर किये हैं.

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

इनोवेटिव आइडियाज के लिए मिले पुरस्कार.

# शर्करा उद्योग को मुनाफा देगा बिजली पैदा करने का इजरायली मॉडल

## विश्व बैंक समूह के शुगर केन एडवाइजर डॉ. राजपाल सिंह ने किया अध्ययन

जागरण संवाददाता, कानपुर : इजरायल में बिजली उत्पादन व खेती का मॉडल भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में कारगर साबित हो सकता है। वहां पर घर से लेकर दफ्तर तक हर स्थान पर बिजली का उत्पादन सोलर पैनल के जरिए किया जाता है। इससे दो लाभ हैं, पहला बिजली संकट नहीं है और दूसरा उसे बनाने में कोयला व ईंधन का प्रदूषण भी नहीं होता है। गन्ने की सिंचाई न्यूनतम पानी यानी ड्रिप इरीगेशन (टपक सिंचाई) के जरिए की जाती है जिससे 30 से 40 फीसद पानी की बचत होती है।

विश्व बैंक समूह के शुगर केन एडवाइजर डॉ. राजपाल सिंह ने अपने अध्ययन में यह पाया कि इस इजरायली तकनीक को अपनाकर किसानों की दोगुनी आय का लक्ष्य पूरा होने के साथ बिजली की समस्या से भी निजात मिल सकती है। वे राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में बुधवार को साइंटिफिक सोसाइटी की ओर से आयोजित वार्षिक समारोह में शिरकत करने आए थे। उन्होंने बताया कि हमारे देश में गन्ने की खेती में जरूरत से अधिक पानी इस्तेमाल किया जाता है। इससे पानी का दोहन होने

**35** से 40 फीसद उत्पादन टपक सिंचाई से बढ़ेगा वहां बूंद-बूंद से होती है सिंचाई

विश्व बैंक के शुगर केन एडवाइजर डॉ. राजपाल सिंह ■ जागरण

के साथ-साथ किसान का डीजल भी फुंकता है। इजरायल में पानी व्यर्थ नहीं बहाया जाता, बल्कि साफ नालियों में बहते हुए पानी का इस्तेमाल ड्रिप एरीगेशन के लिए किया जाता है। देशभर के तीन लाख किसानों व छह शुगर इंडस्ट्री साथ विश्व बैंक काम करता है। इसमें चार इंडस्ट्री उत्तर प्रदेश में व एक-एक महाराष्ट्र व मध्य प्रदेश में हैं। उन्होंने कई शुगर इंडस्ट्री को इसकी एडवाइजरी जारी की है।

### सौ टन प्रति हेक्टेयर होगा गन्ने का उत्पादन

एनएसआइ के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि अभी देशभर में गन्ने का उत्पादन 80 टन प्रति हेक्टयर होता है। ड्रिप इरीगेशन के जरिए इसकी पैदावार बढ़ाकर सौ टन प्रति हेक्टेयर की जा सकती है। इसके अलावा फर्टिलाइजर का प्रयोग भी 40 फीसद कम होगा। इस प्रकार की सिंचाई के तहत फर्टिलाइजर पानी के साथ फसलों की जड़ों तक पहुंचता है।

इसके बाद सौर ऊर्जा के जरिए बिजली उत्पन्न करने पर विचार चल रहा है। इसके अलावा किसानों को वह तकनीक बताई जा रही है जिसमें बूंद बूंद पानी का इस्तेमाल करके गन्ने की अच्छी पैदावार करके 35 से 40 फीसद तक उत्पादन बढ़ाया जा सकता है।

### 'शुगरथॉन' की विजेता रही 'पेरी' टीम

जासं, कानपुर : राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआइ) की साइंटिफिक सोसाइटी के तत्वावधान में बुधवार को हुए वार्षिक समारोह के अंतर्गत 'शुगरथॉन' क्विज प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रही। इस प्रतियोगिता में चार टीमों ने भाग लिया, जिसमें पेरी टीम को विजेता घोषित किया गया। यह क्विज प्रतियोगिता शर्करा उद्योग के प्रख्यात विशेषज्ञ हुगोट, होनिंग, पेरी व ट्रोंप के नाम पर रखी गई। चारों टीमों को भी यही नाम दिए गए। प्रश्नोत्तर, सामान्य जागरूकता व ऑडियो विजुअल राउंड के अंतर्गत इन टीमों में शामिल छात्र छात्राओं से प्रश्न पूछे गए।

विजेता टीम में शुगर टेक्नोलॉजी द्वितीय वर्ष के छात्र अमित कुमार गुप्ता, शुगर इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष के छात्र अंकुर वर्मा, शुगर इंजीनियरिंग द्वितीय वर्ष के छात्र मयूर रामचंद्र खेदकर व एल्कोहल टेक्नोलॉजी प्रथम वर्ष की छात्रा शालिनी गुप्ता शामिल रहीं। वर्ल्ड बैंक के शुगर केन एडवाइजर डॉ. राजपाल सिंह ने कहा कि छात्र शोध कार्य के प्रति गंभीर रहें क्योंकि इसी के जरिये वे नई तकनीक के उपकरणों को विकसित करने व गन्ने की खेती करने के नए नए तरीके का लाभ किसानों तक पहुंचा सकते हैं। कहा कि गन्ने की खेती के लिए एक व्यावसायिक मॉडल विकसित करने की जरूरत है। उन्होंने एनएसआइ निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन के साथ विजेताओं को पुरस्कृत किया।

# गन्ने की खेती के लिए व्यावसायिक मॉडल विकसित करने की जरूरत

माई सिटी रिपोर्टर

## नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट में साइंसिया का आयोजन

**कानपुर।** नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) में बुधवार को वार्षिक समारोह साइंसिया का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम के सलाहकार और गन्ना प्रौद्योगिकीविद् डॉ. आरपी सिंह ने कहा कि गन्ने की खेती को बढ़ाने के लिए एक व्यावसायिक मॉडल विकसित किया जाना चाहिए। युवा पीढ़ी को चीनी उद्योग में दिलचस्पी पैदा करने की जरूरत है। चीनी मिल और गन्ना किसान के आपसी संबंध बेहतर हों तथा उत्पादों की वैरायटी और अच्छी कीमत ही सफलता की कुंजी है।

वार्षिक समारोह में छात्रों ने 'चीनी और इथेनॉल प्रसंस्करण में जल संरक्षण' विषय पर शुगराथॉन कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें छात्रों ने जलसंरक्षण में उपकरणों के इस्तेमाल और उत्पादन प्रक्रिया बढ़ाने के तरीकों पर विचार व्यक्त किए। इसके अलावा सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी में चार टीमों ने भाग लिया। इन टीमों के नाम पेरी, गोट, होनिंग और ट्रोंप विशेषज्ञों पर रखे गए थे। इस प्रतियोगिता में पेरी टीम विजेता रही। चीनी उद्योग की आर्थिक स्थिरता विषय पर भी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागी अमित कुमार गुप्ता, अंकुर वर्मा, मयूर रामचंद्र खेदकर, शालिनी गुप्ता विजेता रहे। एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने अधिक से अधिक कार्यक्रमों के आयोजनों पर बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता साइंटिफिक सोसाइटी के अध्यक्ष प्रोफेसर डी. स्वेन ने की।

# Sweet pill: Experts give tips to students at NSI's 'Sciencia'

**Abhinav.Malhotra**
@timesgroup.com

**Kanpur:** The annual function of National Sugar Institute 'Sciencia' began here on Wednesday. It was organized under the auspices of Scientific Society of the institute.

Raj Pal Singh, advisor, International Finance Corporation (World Bank Group) and a sugarcane technologist, graced the occasion as a chief guest while director, NSI Prof Narendra Mohan, presided over the function.

Prof. D Swain, president, Scientific Society, in his welcome address, talked about various activities taken up by the Scientific Society. He stressed on the need to organize more such events to increase knowledge and develop the personality of students.

On this occasion, 'Sugarathon' was also organized on the topic 'Water conservation in sugar and ethanol processing' in which some very useful and innovative ideas with respect to use of equipment and process were given by the students.

**Prof D Swain, president, Scientific Society, in his welcome address, talked about various activities taken up by the Scientific Society**

In the quiz event, four teams, named after eminent experts in sugar industry–Hugot, Honig, Perry, and Tromp, entered into keen battle in various audio, visual and general awareness rounds. In a close finish, the Perry team was declared a winner. Rajesh Kumar of quality control and environmental science course won the presentation event.

Chief guest Raj Pal Singh distributed prizes to the winners and congratulated the staff and students for organizing such an event.